नवभारत

अभ्यास

बजाज फाउंडेशन व विश्व युवक केंद्र के प्रशिक्षण के तीसरे दिन प्रशिक्षणार्थियों ने दी भेंट

ऐतिहासिक धरोहरों का किया निरीक्षण

■ **वर्धा,** ब्यूरो. बजाज फाउंडेशन तथा विश्व युवक केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में सेवाग्राम में 4 दिवसीय 'कृषि-उद्योजकता तथा जलसंपत्ति व्यवस्थापन' कार्यशाला आयोजित की गई है. तीसरे दिन पुण्य-भूमि वर्धा के ऐतिहसिक स्थलों को प्रशिक्षणार्थियों ने भेंट दी. ऐतिहासिक धरोहरों का निरीक्षण करने के साथ ही उन्होंने अभ्यास किया. बजाज फाउंडेशन तथा विश्व युवक केंद्र के सयुंक्त तत्वावधान से चल रहे कृषि उद्योजकता एवं जल व्यवस्थापन कार्यशाला के प्रशिक्षणार्थियों ने परमधाम आश्रम और ब्रह्म-विद्या मंदिर पवनार, बापू कुटी, बजाजवाड़ी, लक्ष्मी नारायण मंदिर, गीताई उद्यान-मंदिर को भेंट दी. बता दें कि बजाज फाउंडेशन तथा विश्व युवक केंद्र की ओर से कृषि उद्योजकता तथा जलसंपत्ति व्यवस्थापन इस चार दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया है. इसमें 15 राज्यों से 100 एनजीओ के सदस्य शामिल हुए हैं.

गौतम बजाज ने किया उपस्थितों का मार्गदर्शन

इस दरम्यान गौतम बजाज ने आचार्य विनोबा भावे के व्यक्तित्व व विचारों से प्रतिभागियों को परिचित कराया. बापू कुटी को भेंट देकर प्रशिक्षणार्थियों ने महात्मा गांधी के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम के केंद्र के बारे में तथा अपने जीवन कार्य के लिये स्फूर्ति ली. बजाजवाड़ी में अनेक नेताओं की स्वतंत्रता संग्राम संबधित अनेक बैठकें होती रही. इसका आज भी अनन्यसाधारण महत्व है. ऐसे बजाजवाड़ी को भेंट देकर इतिहास की पुर्नअनुभूति ली.

लक्ष्मीनारायण मंदिर में सभी प्रशिक्षणार्थी हो गए नतमस्तक

वर्धा शहर का ऐतिहासिक लक्ष्मी नारायण मंदिर है, जहां गांधी ने दलितों के साथ प्रवेश किया था. ऐसे समाज क्रांति के स्थल पर जाकर प्रतिभागी नतमस्तक हुए. विनोबा द्वारा रचित गीता का मराठी अनुवाद किया गया. जिसे शिलाओं पर अंकित कर भव्य 'गीताई' उद्यान-मंदिर में स्थापित किया गया है. इसका उदघाटन बिनोबा ने 1980 में किया था, ऐसी पावनभूमि पर प्रतिभागियो ने आत्मनिर्भरता और टिकाऊ जीवन शैली का सजीव सन्देश लिया.